वर्ष 2014–15 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा सार्थक कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार अधिकारियों के लिए "सर्वाधिक हिंदी डिक्टेशन" तथा कर्मचारियों के लिए "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी" प्रोत्साहन योजनाएं लागू की गई हैं।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की माहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2014–2015 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- क्षेत्रीय कार्यचयन कार्यालय (उत्तर) गाजियाबाद के उपनिदेशक (राजभाषा) श्री राकेश कुमार ने 16 मई, 2014 को संस्थान में ही रहे हिंदी कार्यो का निरीक्षण किया तथा संतोष व्यक्त किया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 58वीं बैठक 09 जून 2014 को निदेशक राजसं की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इसमें राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा के साथ–साथ इसके प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- संस्थान की अर्धवार्षिक पत्रिका ''जल चेतना'' का जुलाई–2014 अंक प्रकाशित किया गया।

- 23 जुलाई, 2014 को ''राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़ी विभिन्न जानकारियां'' विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के कुल 50 पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

- 08 अगस्त, 2014 को बी.एच.ई.एल. हरिद्वार में नराकास की 18वीं अर्धवार्षिक बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. रमा मेहता, श्री के.पी. शर्मा, श्री पी.के. उनियाल एवं श्री पवन कुमार ने प्रतिभागिता की।

- 15 अगस्त, 2014 को संस्थान के 09 कर्मचारियों को वर्ष 2013–14 के लिए ''मूल टिप्पण, आलेखन प्रोत्साहन योजना'' के तहत पुरस्कृत किया गया।

- संस्थान में दिनांक 19 अगस्त से 18 सितंबर, 2014 तक हिंदी मास का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को समापन समारोह में पुरस्कृत भी किया गया।

- संस्थान की वार्षिक पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का 21वां अंक प्रकाशित किया गया जिसका विमोचन 15 सितम्बर, 2014 को हिंदी मास समापन समारोह में किया गया।

- दिनांक 19 नवम्बर, 2014 को लखनऊ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान की ओर से श्री पी. के. उनियाल तथा श्री पवन कुमार को प्रतिभागित हेतु नामित किया गया।

- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति को 59वीं तथा 60वीं बैठक क्रमशः 11 दिसंबर, 2014 एवं 11 मार्च, 2015 को निदेशक राजसं से अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजना तैयार की गई।

- संस्थान में दिनांक 18 दिसंबर 2014 को ''कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप एवं हिंदी में आई. टी. का अनुप्रयोग'' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसमें 39 कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

- तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' का जनवरी–15 अंक प्रकाशित किया गया।

- नराकास के सदस्य संगठनों के लिए दिनांक 19 जनवरी, 2015 को आयोजित राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन में श्री प्रदीप कुमार उनियाल एवं श्री पवन कुमार को नामित किया गया।

- नराकास द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2015 को सी.बी.आर.आई. रुड़की में आयोजित 19वीं अर्धवार्षिक बैठक में डॉ. शरद कुमार जैन, वैज्ञानिक–जी एवं कार्यवाहक निदेशक, डॉ. रमा मेहता, डॉ. संजय कुमार, श्री पी. के. उनियाल एवं श्री पवन कुमार, ने प्रतिभागिता की।

- संस्थान की वर्ष 2013–14 की वार्षिक रिपोर्ट का हिंदी संस्करण अंग्रेजी संस्करण के साथ–साथ प्रकाशित किया गया।